

(b) Weavers are concerned with woolen yarn and not wool. In view of reply to (a) above, the question of making special arrangements for providing wool to the weavers does not arise.

सोवियत संघ से अन्तरिक्ष में भारतीय उपग्रह छोड़े जाने के कारण

444. श्री यमुना प्रसाद शास्त्री :

श्री अर्जुन सिंह भवौरिया :

डा० बापू कालबाते :

क्या अन्तरिक्ष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जून के प्रथम सप्ताह में सोवियत संघ के प्रक्षेपण केन्द्र से अन्तरिक्ष में छोड़े गये भास्कर धामक अन्तरिक्षयान के कितने प्रतिशत पुर्जे भारतीय बहानिकों और इंजीनियरों ने बनाये थे ;

(ख) भारतीय भूमि से इस उपग्रह को न छोड़े जाने के क्या कारण थे ; और

(ग) क्या यह सच है कि अगले वर्ष एक और उपग्रह के सोवियत संघ के प्रक्षेपण केन्द्र से अन्तरिक्ष में छोड़े जाने का प्रस्ताव है, और यदि हाँ, तो भारत स्थित अन्तरिक्ष केन्द्र से उपग्रह को छोड़े जाने में क्या कठिनाइयाँ हैं और उन्हें दूर करने के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

रक्षा मंत्रालय में, और परमाणु ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी और अन्तरिक्ष भागों में राज्य मंत्री (प्रो० शेर सिंह) : (क) लगभग 85 प्रतिशत ।

(ख) भारत में इस समय ऐसे प्रमोचक राकेट नहीं हैं, जो इतने बड़े उपग्रहों को अन्तरिक्ष में छोड़ सकें ।

(ग) जी हाँ । सोवियत संघ से भास्कर के दूसरे माडल को उपयुक्त रूप में दुबारा परिष्कृत करके अगले वर्ष छोड़ा जायेगा । इस उपग्रह को भारत से नहीं छोड़ा जा सकता है, क्योंकि इस प्रकार के उपग्रह को छोड़ने के लिए 1980 के भारत के पास प्रमोचक-राकेट नहीं होगा । सरकार के पास, फिर भी, ऐसे प्रमोचक राकेटों के विकास की तथा 1985-86 की समय अनुसूची में इनकी जांच की योजना है ।

Irregularities in working of Rajneesh Foundation

445. SHRI SHYAM SUNDAR GUPTA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government have received reports that there have been irregularities in the working of Rajneesh Foundation;

(b) whether Government propose to appoint a Commission to inquire into the working of this Ashram;

(c) if not, the reasons thereof; and

(d) where the activities of this Ashram are prejudicial to the public morals and affecting civil life ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI DHANIK LAL MANDAL): (a) On the basis of audit reports for the years ending 31st December, 1977, which reportedly disclose a number of irregularities including large amount of expenditure incurred without maintaining vouchers, keeping large cash balances on hand, payments of commission on sale of books against the principle of law of trusts, failure on the part of the trustees to keep proper records for donations received locally, etc., the Assistant Charity Commissioner ordered an inquiry on 5-6-1979 under section 41-B of the Bombay Public Trusts Act, 1950 to ascertain facts regarding these alleged irregularities as also whether activities of the disciples and followers of Acharya Rajneesh and of the Rajneesh Foundation are prejudicial to public morals or public interest affecting the civic life in Pune city.

(b) and (c). In reply to a letter from Ma Yoga Laxmi of the Rajneesh Foundation the Prime Minister informed her that in view of what has appeared in the press about the activities of the Rajneesh Ashram in Pune and the views expressed thereon in Parliament and elsewhere, a Commission of Inquiry may be an appropriate body to go into the activities of the Ashram. The Government can consider the matter further if Shri Rajneesh himself writes to the Prime Minister that he would like this to be done.

(d) Some photographs and reports about the activities of the Ashram have been published in the Press. According to information available, some T. V. films about the activities of the Ashram were prepared by foreigners without getting the necessary permission. It is true that these photographs and reports have been criticised by many as vitiating the concept and norms of Indian culture and religious precepts. This aspect is covered in the inquiry ordered by the Assistant Charity Commissioner, Pune, as mentioned in reply to part (a) of the question.

Fulfilment of Supply obligation by Paper Mills

446. SHRI RUDOLPH RODRIGUES: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Paper Mills fulfilled their supply obligations to Government; and

(b) if not, the reasons therefore?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) and (b). As far as supplies to Government are concerned, paper mills are to fulfil their obligations in terms of rate contracts entered into with the DGS&D. As regards their obligation to supply white printing paper for the educational sector under the voluntary agreement entered into in 1974, the mills have by and large supplied paper according to the allocations made on them, although certain mills have defaulted at times due to their financially weak position and shortage of power.

घड़ियों के कालतु पुर्जों को आयात-शुल्क छूट

447. श्री राम सागर :

श्री राम नरेश कुराबाहा :

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस वर्ष के बजट में घड़ियों के पुर्जों के आयात पर से आयात शुल्क हटा लिया गया है ;

(ख) यदि हाँ, तो उसका क्या प्रयोजन है ; और

(ग) इस छूट के बावजूद हन्डुस्तान मशीन टूल्स को घड़ियों के मूल्य बढ़ने के क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडिस) : (क) जी नहीं ।

(ख) और (ग). उपर्युक्त भाग (क) के उत्तर को देखते हुये प्रश्न ही नहीं उठता ।

मंत्रालयों को आदेशों के हिन्दी और अंग्रेजी संस्करण जारी करना

448. श्री गंगा लक्ष्मण सिंह : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि विभिन्न मंत्रालयों द्वारा सामान्य आदेशों केवल अंग्रेजी में जारी किये जा रहे हैं और उन पर लिखा होता है कि उनका हिन्दी अनुवाद भेजा जायेगा लेकिन हिन्दी अनुवाद या तो भेजा नहीं जाता अथवा वह जब भेजा जाता है, जब आदेशों का महत्व समाप्त हो जाता है ;

(ख) क्या सरकार का विचार ऐसे आदेशों को हिन्दी और अंग्रेजी में साथ-साथ जारी करने का है जिससे उनका महत्व और उपयोगिता कम न हो ;

(ग) क्या स्थिति का पता लगाने के लिये सरकार ने कोई सर्वेक्षण किया है ; और

(घ) जनवरी, से जून, 1979 में जारी किये गये ऐसे परिपत्रों और आदेशों की प्रतिबन्धता कितनी थी जिनमें यह टिप्पणी थी कि इनका हिन्दी अनुवाद भेजा जायेगा ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री धनिक लाल मन्डल) : (क) राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अनुसार यह अपेक्षित है कि भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, विभागों तथा कार्यालयों के सामान्य आदेश हिन्दी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में जारी किये जायें। इस संबंध में प्रशासनिक विधायक भी दी गई है कि हिन्दी और अंग्रेजी रूपांतर साथ साथ जारी किये जाने चाहिएं। फिर भी, कुछ मंत्रालयों, विभागों तथा कार्यालयों के सामान्य आदेश इस रूप में जारी नहीं होते अथवा हिन्दी रूपांतर अंग्रेजी रूपांतर के बाद जारी होता है।

(ख) हिन्दी के प्रयोग के संबंध में सन् 1979-80 के लिये जो वार्षिक कार्यक्रम तय किया गया है, उससे संबंधित आदेश जारी करते हुये इस बात पर पुनः जोर दिया गया है कि हर मंत्रालय, विभाग अथवा कार्यालय में ऐसे जांच बिन्दु बनाये जायें जो यह सुनिश्चित करें कि सामान्य आदेशों के हिन्दी और अंग्रेजी रूपांतर साथ साथ जारी हों।

(ग) और (घ) विभिन्न मंत्रालयों/विभागों से हर तिमाही में जो प्रगति रिपोर्ट मंगाई जाती है, उसमें यह सूचना होती है कि कितने सामान्य आदेश केवल अंग्रेजी में जारी हुये और कितने द्विभाषी रूप में (हिन्दी और अंग्रेजी में) जारी हुये। तिमाही प्रगति रिपोर्ट द्वारा जो सूचना दी जाती है, उसमें इस बात की जानकारी नहीं होती कि कितने परिपत्र तथा अन्य सामान्य आदेशों के हिन्दी और अंग्रेजी रूपांतर साथ साथ जारी हुये और कितनों के हिन्दी रूपांतर बाद में जारी हुये। यह सूचना इस प्रश्न के संदर्भ में एकत्रित की जा रही है।

Reduction in prices of Cotton Cloth

449. SHRI K. A. RAJAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether the textile industry has reduced the prices of cotton cloth in response to the Minister's call for that; and

(b) if so, the varieties of cloth, the prices of which have been reduced; previous price and reduced price?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI GEORGE FERNANDES): (a) A sample study made by the Textile Commissioner in respect of 168 sorts reflects a